

## हाथी गलियारों में भूदृश्य पारस्थितिकी

**स्रोत: डाउन टू अर्थ**

हाल ही में केवल कृषेत्तर वशिष पर नरिभर रहने के बजाय हाथी गलियारों को प्रभावी ढंग से पहचानने और पुनरस्थापति करने के लयि भूदृश्य पारस्थितिकी महत्त्वपूरण हो गई है।

- भूदृश्य पारस्थितिकी एक परदृश्य के अस्थायी (समय-संबंधति) और स्थानकि (अंतरकिष-संबंधति) पहलुओं तथा जीवों के मध्य परस्पर क्रिया का अध्ययन है।
- मुख्य कृषेत्तरों एवं गलियारों का पता लगाने में परगति के साथ भूदृश्य पारस्थितिकी अधिक सटीक हो गई है और अब यह तीन कारकों पर आधारति है: फीलड डेटा का गहन उपयोग, **भौगोलकि सूचना प्रणाली (Geographic Information Systems-GIS)** में सुधार तथा भू-स्थानकि डेटा व अनुकूलति एलगोरदिम की उपलब्धता।

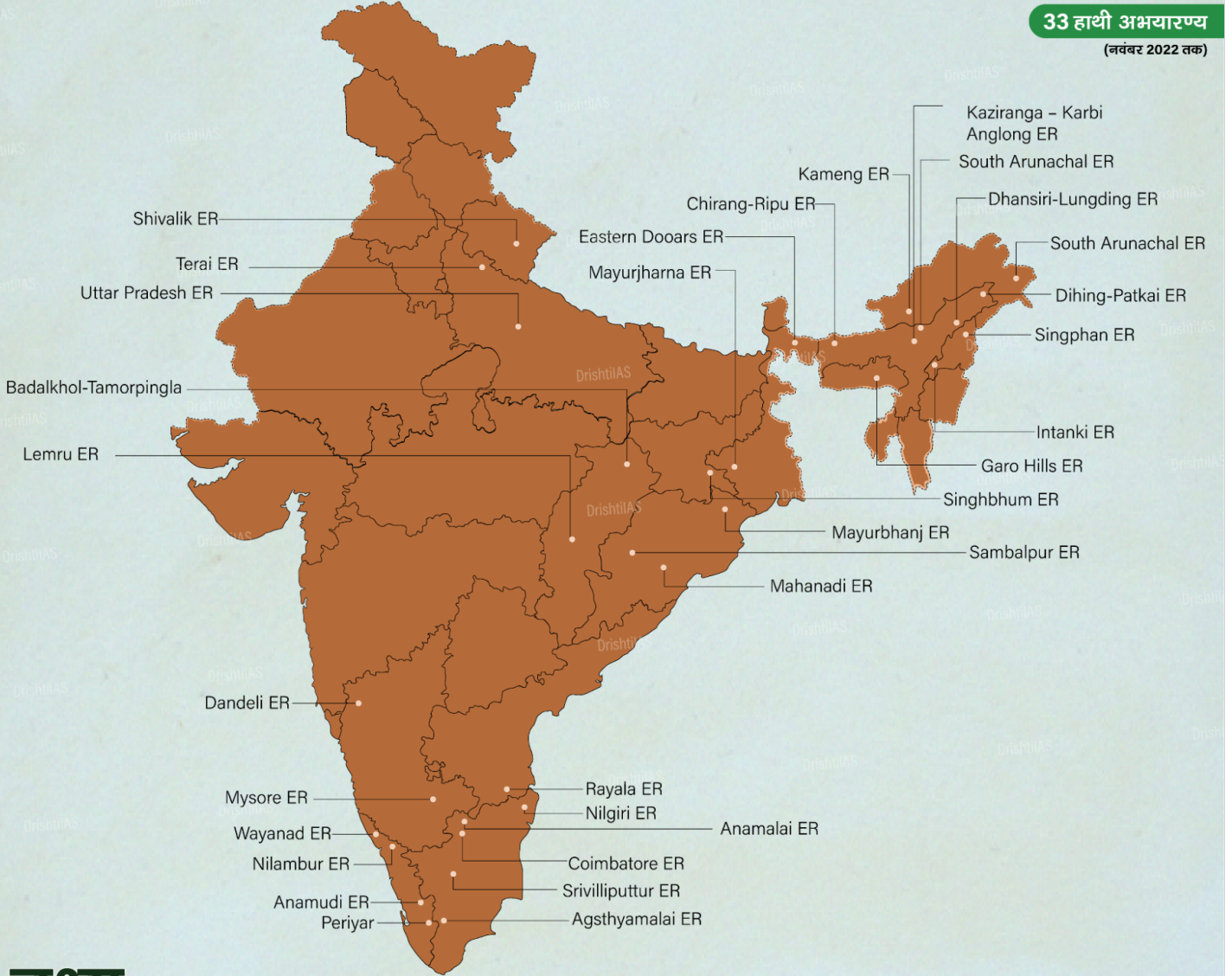
## हाथी गलियारे क्या हैं?

- परचिय:
  - हाथी गलियारों को भूमि के एक खंड के रूप में वर्णति कयि जा सकता है जो हाथियों के दो अथवा दो से अधिक अनुकूल आवास स्थानों के बीच आवागमन में सुलभता प्रदान करता है।
- भारत में हाथी गलियारों की स्थति:
  - भारत के **एलीफेंट कॉरडोर से परमुख नषिकरष, 2023 रिपोर्ट:**
    - इस रिपोर्ट में 62 नए गलियारों की वृद्धिपर प्रकाश डाला गया है, जो वर्ष 2010 के बाद से बने गलियारों में 40% की वृद्धिको दर्शाते हैं। वर्तमान में भारत में कुल 150 गलियारे मौजूद हैं।
    - पश्चिमी बंगाल में सबसे अधिक हाथी गलियारे हैं, जनिकी कुल संख्या 26 है, जो कुल गलियारों का 17% है।
    - पूर्वी-मध्य कृषेत्तर 35% (52 गलियारे) का योगदान देता है तथा उत्तर-पूर्वी कृषेत्तर 32% (48 गलियारे) के साथ दूसरा सबसे बड़ा कृषेत्तर है।
    - दक्षिणी भारत में 32 हाथी गलियारे पंजीकृत हैं, जो कुल गलियारों का 21% है, जबकि उत्तरी भारत में सबसे कम 18 गलियारे हैं, जो कदेश में मौजूद कुल गलियारों का 12% हैं।
    - हाथियों ने महाराष्ट्र के वदिरभ कृषेत्तर और कर्नाटक की सीमा से लगे दक्षिणी महाराष्ट्र में अपनी सीमा का वसितार कयि है।

# हाथी अभयारण्य

33 हाथी अभयारण्य

(नवंबर 2022 तक)



## तथ्य

- भारत में तमिलनाडु और असम में हाथी अभयारण्य/एलीफेंट रिज़र्व की संख्या सबसे अधिक (5) है।
- भारतीय हाथी (*Elephas maximus*) को भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और CITES के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।
- भारतीय हाथी को प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय के परिशिष्ट I और IUCN रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय/संकटग्रस्त' (Endangered) के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है।
- वर्ष 2010 में हाथी को भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था।
- MoEFCC हाथी परियोजना/प्रोजेक्ट एलीफेंट के माध्यम से देश के प्रमुख हाथी रेंज राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। हाथी परियोजना को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1992 में केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था।



## हाथी:

### ■ भारत में हाथी:

- भारत में **हाथी** को **प्रमुख प्रजाति** के साथ-साथ **प्राकृतिक विरासत** पशु होने का भी गौरव प्राप्त है।
- भारत में **जंगली एशियाई हाथियों की संख्या सबसे अधिक** है। देश में हाथियों की कुल आबादी 30,000 से अधिक होने का अनुमान है।
- भारत में **हाथियों की सबसे अधिक आबादी कर्नाटक** में है।

■ संरक्षण की स्थिति:

- [प्रवासी प्रजातियों का सम्मेलन \(CMS\)](#): परिशिष्ट I
- [वनयजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#): अनुसूची I
- [अंतरराष्ट्रीय प्रकृतिसंरक्षण संघ \(IUCN\)](#) की संकटग्रस्त प्रजातियों की रेड लिस्ट:

- एशियाई हाथी: लुप्तप्राय
- अफ्रीकी वन हाथी: गंभीर रूप से लुप्तप्राय
- अफ्रीकी सवाना हाथी: लुप्तप्राय

■ संरक्षणात्मक प्रयास:

- भारत:
  - [गज यात्रा](#)
  - [प्रोजेक्ट एलीफेंट](#)
- विश्वस्तरीय कार्यक्रम:
  - [हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी \(MIKE\) कार्यक्रम](#)
  - [विश्व हाथी दविस](#)

# हाथी

**Drishti IAS**

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त ( CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I )	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी ( चौड़े पत्तेदार ) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी ( चौड़े पत्तेदार ) वन
सवाना ( बुश )	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

## भारतीय हाथी (Elephas maximus)

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव  
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

- हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य: ( हाथी जनगणना 2017 के अनुसार )
  - कर्नाटक> असम> केरल> तमिलनाडु> ओडिशा
- सामाजिक संरचना:
  - नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में ( आमतौर पर 5-7 ) रहती हैं
  - जिसका नेतृत्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
  - नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

- प्रमुख खतरे:
  - घटते आवास
  - मानव-हाथी संघर्ष
- हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
- पालन में दुर्व्यवहार
- संरक्षण के प्रयास:
  - गज सूचना ऐप ( 2022 )
  - गज यात्रा ( 2017 )
  - हाथी मेरे साथी अभियान ( 2011 )
  - राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना ( 2005 )
  - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी ( माइक ) कार्यक्रम ( 2003 )
  - प्रोजेक्ट एलिफेंट ( 1992 )

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

### [?][?][?][?][?][?][?][?][?]:

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (A)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landscape-ecology-in-elephant-corridors>

